

Fourteenth Loksabha

**Session : 7**

**Date : 01-03-2006**

**Participants :** Suman Shri Ramji Lal, Jogi Shri Ajit, Pandey Dr. Laxminarayan, Chakraborty Shri Ajay, Shukla Smt. Karuna, Acharia Shri Basudeb, Singh Shri Mohan, Yadav Shri Devendra Prasad, Singh Shri Rajiv Ranjan, Acharya Shri Prasanna, Mahato Shri Sunil Kumar, Patil Shri Shivraj V.

>

Title : Submission regarding the situation arising out of killing of a number of people by the Naxalites in Dantewara, Chhattisgarh.

उपाध्यक्ष महोदय : श्री रामजीलाल सुमन।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER : I will give you time. Please take your seat.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER : I will try to accommodate you. Please sit down.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER : I will give time one by one to you. It is not possible for me to hear everyone at the same time. Please take your seats.

... (Interruptions)

उपाध्यक्ष महोदय : श्री रामजीलाल सुमन के अलावा किसी की बात रिकार्ड पर नहीं जाएगी।

(Interruptions) ... \*

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, नक्सलवादी गतिविधियां पूरे देश में बहुत ज़ोरों से बढ़ रही हैं। हिन्दुस्तान के 13 राज्य नक्सलवादी गतिविधियों की चपेट में हैं। इस पर सदन में भी चर्चा हुई और पूरे सदन ने चिन्ता व्यक्त की। इसका प्रमुख कारण आर्थिक और सामाजिक है, लेकिन मुझे बेहद अफसोस है कि उस सार्थक चर्चा के बाद भी भारत सरकार को जो प्रयास करना चाहिए था, वह उसके द्वारा नहीं किया गया। खुद गृह मंत्री जी ने स्वीकार किया है कि नक्सलवाद से निपटने के उपायों पर जो धन खर्च होना था वह नहीं हुआ।

कल ही छत्तीसगढ़ के दंतेवाडा जिले के दरभागुडा गांव के पास एक भीषण बारूदी सुरंग फटने से 60 लोग मारे गए। वे सभी आदिवासी थे। करीब सवा सौ लोगों का अपहरण हुआ और दर्जनों की संख्या में लोग घायल हैं। यह बहुत गंभीर घटना है। मारे गए सभी लोग आदिवासी हैं और उनको नहीं के बराबर धनराशि दी गई है। इसमें छत्तीसगढ़ की सरकार की भूमिका शून्य के बराबर है। नैतिकता का तकाज़ा है कि

---

\* Not Recorded.

छत्तीसगढ़ के मुख्य मंत्री को इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। छत्तीसगढ़ के मुख्य मंत्री को एक पल भी मुख्य मंत्री पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है। ...(व्यवधान) कोई राज्य यदि लोगों की जान की हिफ़ाज़त नहीं कर सकता तो उसके मुख्य मंत्री को बने रहने का क्या औचित्य है । ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER : Your point has come on record. Please sit down. Shri Ajit Jogi to speak now.

... *(Interruptions)*

MR. DEPUTY-SPEAKER : I have requested Shri Ajit Jogi to speak.

... *(Interruptions)*

उपाध्यक्ष महोदय : अजीत जोगी जी के अलावा और किसी की बात रिकार्ड पर नहीं जाएगी।

*(Interruptions) ...\**

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI):  
Sir, my appeal to the hon. Members from the BJP is that since the hon. Deputy-Speaker has allowed Shri Ajit Jogi to speak, he may please be allowed to speak. He is in a difficult situation. ... *(Interruptions)*

श्री अजीत जोगी (महासमुन्द) : पांडे जी, मैं बोल लूं, फिर आप बोल लेना। ...(व्यवधान)[\[h3\]](#)

श्री प्रिय रंजन दासमुंशी : आप श्री अजीत जोगी जी को बोलने दीजिए।...(व्यवधान)। यह क्या तरीका है? उनकी अपने बैठने की जगह नहीं है। वे व्हिल चेयर पर बैठे हैं। उन्हें बोलने दीजिए।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down.

... (Interruptions)

**उपाध्यक्ष महोदय** : आप लोग बैठ जाइए। जिस-जिस माननीय सदस्य ने नोटिस दिया है, जिनके नाम मेरे पास आए हैं, उन्हें श्री अजीत जोगी के बाद बोलने का मौका दिया जाएगा। श्री अजीत जोगी उसी राज्य से हैं और उसी निर्वाचन क्षेत्र से हैं।

...(व्यवधान)

**श्रीमती करुणा शुक्ला (जांजगीर)** : श्री जोगी उसी राज्य से तो हैं, लेकिन वह उनका निर्वाचन क्षेत्र नहीं है।

**उपाध्यक्ष महोदय** : श्री जोगी उसी राज्य से हैं, इसलिए उन्हें बोलने के लिए मौका दिया है।

---

\* Not Recorded.

...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Question Hour is over. This is 'Zero Hour'.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Except the speech of Shri Jogi, nothing should be recorded.

(Interruptions) ... \*

**श्री अजीत जोगी** : उपाध्यक्ष महोदय, एक बहुत ही भयावह और दर्दनाक हादसा कल छत्तीसगढ़ में हुआ है।... (व्यवधान) मैं आपके खिलाफ नहीं बोल रहा हूँ। यह कोई राजनैतिक मसला नहीं है। इसमें राजनैतिक दिवारों से ऊपर उठ कर सुनना होगा। यह राष्ट्रीय समस्या है, इसलिए कृपया मुझे बोलने दीजिए। यह आज की समस्या नहीं है। कल बहुत ही भयावह और दर्दनाक हादसा छत्तीसगढ़ में हुआ है। लगभग सौ निर्दोष भोलेभाले आदिवासी नक्सलवाद के शिकार हुए हैं। उनकी निर्मम हत्या हुई है। सौ से ज्यादा लोगों का अपहरण किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा पर स्थित कोंटा इलाके में यह हादसा हुआ है। मैं इस बारे में केवल दो निवेदन करना चाहता हूँ। पहली बात तो यह है कि यह जो रेड कोरिडोर नेपाल से लेकर अरब सागर तक बन रहा है, उसमें नक्सलवाद पनप रहा है। मेरे आकलन के अनुसार यह नक्सलवाद आज देश की सबसे भयावह और सबसे भयंकर समस्या बन गया है। इसलिए इसे एक राष्ट्रीय समस्या के रूप में देखना होगा। यह केवल गोली का जवाब गोली से देने से काम नहीं चलेगा। इसे एक सामाजिक और आर्थिक समस्या के रूप में हमें लेना चाहिए। इसका एक राजनीतिक हल हम सब को मिल कर निकालना पड़ेगा। मेरा पहला अनुरोध यह है कि इतनी बड़ी घटना हुई है, इस पर हम

सब लोग अपनी राजनीति की दिवारों से ऊपर उठकर सोचें, राष्ट्रीय समस्या के रूप में सोचें और पूरे राष्ट्र में एक समन्वय बना कर इस समस्या का हल निकाला जाए।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Silence please.

**श्री अजीत जोगी** : महोदय, एक बिंदु और है। केंद्र सरकार ने, जितनी मदद राज्य सरकार चाहती है, उतनी मदद उपलब्ध कराई है। सीआरपीएफ की, सीआईएसएफ की नागा बटालियन दी है, हेलिकाप्टर उपलब्ध कराए हैं, शस्त्र भी उपलब्ध कराए हैं। इस सबके बावजूद भी इस समस्या का हल नहीं हो पा रहा है।

\* Not Recorded.

आखिरी बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि इस क्षेत्र में सलवा जुद्धम चलाया जा रहा है, जिसका मतलब होता है - जन-जागरण। जन-जागरण के खिलाफ कोई नहीं है, पर निहत्थे आदिवासियों को जन-जागरण के नाम पर नक्सलवादियों के सामने नहीं छोड़ा जाना चाहिए। जब जन-जागरण हो, उस दिन उनकी सुरक्षा का इंतजाम हो। लोगों की सुरक्षा का इंतजाम न हो और सैकड़ों लोग मारे जाएं, ऐसा सलवा जुद्धम बिल्कुल नहीं चलना चाहिए।...(व्यवधान)

**डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय (मंदसौर)** : उपाध्यक्ष महोदय, नक्सलवादियों की समस्या की अत्यन्त ही भयावह स्थिति है...(व्यवधान) : छत्तीसगढ़ के दोरनापाल के निकट बड़ी संख्या में नक्सलियों ने बारूदी सुरंग से आदिवासियों को उड़ाया है।

**श्री अजीत जोगी** : ऐसा जुल्म बिल्कुल नहीं चलने देना चाहिए और निहत्थे आदिवासियों को इस तरह से नहीं मरने देना चाहिए। इसके लिए राज्य सरकार पूरी तरह से जवाबदार है, इसलिए राज्य सरकार को बर्खास्त किया जाना चाहिए। ...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय** : आपका हो गया। Thank you.

**डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय** : उपाध्यक्ष महोदय, जो सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, उसके अनुसार जगदलपुर और कोंटा के बीच दोरनापाल नामक स्थान है। उस दोरनापाल नामक स्थान पर नक्सलियों ने बारूदी सुरंग बिछाई और आदिवासी जो ट्रकों में भरकर आ रहे थे, उनको वहां पर बारूदी सुरंग से उड़ा दिया। जो खबरें समाचार-पत्रों में प्रकाशित हुई हैं, उसके अनुसार तत्काल घटनास्थल पर ही मृतकों की 53 की संख्या बताई गई है, लेकिन 100

से अधिक आदिवासी वहां पर मारे गये और कई आदिवासी, जिनकी संख्या सैंकड़ों में हो सकती है, नक्सली बन्धक बनाकर ले गये।

यह समस्या सामान्य समस्या नहीं है, पहले भी इस विषय में बातचीत हुई है। यह सीमावर्ती इलाका है। उधर आन्ध्र प्रदेश का भद्राचलम डिस्ट्रिक्ट है और भद्राचलम और जगदलपुर के बीच की यह घटना है। वहां अत्यन्त घना जंगल और ऐसा क्षेत्र है, जहां पर यातायात के, परिवहन के साधन भी नहीं हैं। जो आदिवासी एक कार्यक्रम से आ रहे थे, उस कार्यक्रम से आते हुए आदिवासियों के साथ इस प्रकार से कृत्य किया गया है। ... (व्यवधान) इससे सम्पूर्ण क्षेत्र में तनाव है।

SHRI TATHAGATA SATPATHY (DHENKANAL): Sir, our State is also affected by the naxalite problem. ... (Interruptions)

डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय : यद्यपि राज्य सरकार ने काफी व्यवस्थाएं की हैं, लेकिन राज्य सरकार की तरफ से यह कहा गया है कि एक सामूहिक कार्यदल बनाया जाये और केन्द्र सरकार उसमें पूरी मदद करे और केन्द्र सरकार की तरफ से इस समस्या को निपटाया जाना चाहिए।

मैं चाहूंगा कि केन्द्र सरकार इस पर ध्यान दे और समस्या को गम्भीरता से ले ताकि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। ... (व्यवधान) यह एक राष्ट्रीय समस्या है।

श्री खारबेल स्वाई (बालासोर) : अभी ये बोले कि सरकार को बर्खास्त कर दो।... (व्यवधान)

SHRI AJOY CHAKRABORTY (BASIRHAT): Sir, I have given notice on a very important issue. Please allow me to speak for one minute. ... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Next is Shri Ajoy Chakraborty, but you are allowed only one minute to make your submission.

... (Interruptions)

SHRI AJOY CHAKRABORTY : Mr. Deputy-Speaker, Sir, I would like to draw the attention of the august House, through you, towards a serious and shocking incident that took place yesterday in Chattisgarh. The 'adivasi' people were going to attend a function in a truck, and the Maoist Extremist Groups attacked them. ... (Interruptions) As a result of this attack more than 100 tribal people succumbed to their injuries, and several others have been admitted to the Bhadrachalam hospital in Andhra Pradesh. ... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Hon. Members Shri Ajoy Chakraborty, Shri Basu Deb Acharia, Shri Prabodh Panda, Shri Tarachand Sahu, Shri Mohan Singh, Shri Madhusudan Mistry, Shrimati Pratibha Singh, Shrimati Karuna Shukla, Shri Devendra Prasad Yadav, and Shri Ram Kripal Yadav have been associated.

... (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, I have just one point to make in the House. Kindly give me an opportunity to speak on this issue... (*Interruptions*)

**12.18 hrs.**

(At this stage Shrimati Karuna Shukla and some other

Hon. Members came and stood on the floor near the Table.)

SHRI AJOY CHAKRABORTY : Sir, it is a shameful matter that the State Government failed to give adequate protection to the tribal people. We are talking about upliftment of the tribal people, and to bring them in the mainstream of the country. ... (*Interruptions*) They were killed or should I say brutally murdered, and the State Government has failed to give them adequate protection. ... (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, I want to make a point. ... (*Interruptions*)

SHRI AJOY CHAKRABORTY : Therefore, through you, I urge the Government of India, particularly, the Home Ministry that the hon. Home Minister should come to the House and make a statement on this issue. He should assure this august House that, henceforth, adequate protection will be given to the tribal and downtrodden people of the country. ... (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing is to be recorded.

*(Interruptions) ...\**

उपाध्यक्ष महोदय : आपकी पार्टी के एक सदस्य को बुलवा दिया। राव जी, आप बैठ जाइये। Please sit down.

*... (Interruptions)*

**12.19 hrs.**

(At this stage Smt.Karuna Shukla and some other hon. Members went back to their seats.)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down.

*... (Interruptions)*

SHRI AJOY CHAKRABORTY : We should ensure that no such incident takes place in the future. Therefore, I demand, through you, that the hon. Home Minister

---

\* Not Recorded.

should come and make a statement in the House, and assure the House ...

*(Interruptions)*

SHRI P. KARUNAKARAN (KASARGOD): Sir, I have to raise a very important issue concerning the State of Kerala. ... *(Interruptions)*

SHRI K. FRANCIS GEORGE (IDUKKI): Sir, I have given a notice to raise a very grave issue concerning the State of Kerala. Therefore, I should be allowed to raise the matter in the House. ... *(Interruptions[ak4])*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down.

*... (Interruptions)*

SHRI P.C. THOMAS (MUVATTUPUZHA): The issue regarding Kerala is a very serious one. ... (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : महोदय, छत्तीसगढ़ के सांसदों को बोलने के लिए मौका दिया जाना चाहिए।... (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : महोदय, छत्तीसगढ़ के भोले-भाले लोगों को नक्सलियों से लड़ाने का काम किया जा रहा है। एक साजिश के तहत आदिवासियों पर हमला हो रहा है... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपका कुछ भी रिकार्ड में नहीं जा रहा है।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down.

श्री मधुसूदन मिस्त्री (साबरकंठा) : हम इनकी सरकार से इस्तीफे की मांग करते हैं।... (व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : यदि किसी को इस्तीफा देना चाहिए तो होम मिनिस्टर को देना चाहिए।... (व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, you call one by one all those Members who have given the notices.... (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing should be recorded.

(*Interruptions*) ... \*

---

\* Not Recorded.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please go to your seat.

... (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing should be recorded.

(*Interruptions*) ... \*



MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, I call Shrimati Karuna Shukla.

श्रीमती करुणा शुक्ला : महोदय, कल छत्तीसगढ़ में कांटा के पास नक्सलवादियों ने... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मेरे पास 16 नाम हैं, जो इस इश्यू पर बोलना चाहते हैं। आप लोग ही बताएं कि मैं सभी को ज़ीरो ऑवर में बोलने के लिए कैसे बुला सकता हूँ। It is not possible for me to call everybody.

...(व्यवधान)

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : आप सभी नाम पढ़ दीजिए।... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down.

... (Interruptions)

उपाध्यक्ष महोदय : मैंने सबको एसोसिएट कर दिया है।

...(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, you call at least one Member from each Party. ... (Interruptions)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : उपाध्यक्ष महोदय, आप सबको एसोसिएट करवा दीजिए।

उपाध्यक्ष महोदय : वह मैंने करवा दिया है।

...(व्यवधान)

श्रीमती करुणा शुक्ला : उपाध्यक्ष महोदय, कल कांटा के पास दंतेवाड़ा जिले में... (व्यवधान)

छत्तीसगढ़ के सांसदों को बोलने का अवसर मिलना चाहिए।... (व्यवधान) हम नक्सलवाद से जूझ रहे हैं। वहां बिहार का कोई काम नहीं है। आप बिहार बिहार मत कीजिए।... (व्यवधान) छत्तीसगढ़ के सांसदों को छत्तीसगढ़ की बात करने दीजिए।... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Madam, you should address the Chair and not any individual Member.

---

\* Not Recorded.

**श्रीमती करुणा शुक्ला** : कल कौंटा के पास दंतेवाड़ा जिले में हमारे आदिवासी भाई-बहन, सलवा जुड़म का कार्यक्रम शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ था, उसके बाद जब लौट रहे थे, नक्सलवादियों ने जो माइन्स बिछाई हुई हैं, घात लगाकर ट्रकों को उड़ाने की साजिश की। मुझसे पहले कांग्रेस के सांसद श्री अजित जोगी, जो महासुमंद क्षेत्र से आते हैं, उन्होंने यहां से बात प्रारंभ की कि इस घटना को राजनीतिक ढंग से नहीं देखना चाहिए और अंत इस बात से किया कि छत्तीसगढ़ राज्य की सरकार को बरखास्त कर देना चाहिए। छत्तीसगढ़ के 11 सांसदों में से एक अकेले कांग्रेस के सांसद छत्तीसगढ़ सरकार की बरखास्तगी की बात करते हैं जबकि छत्तीसगढ़ को जन्म के साथ नक्सलवाद मिला है और पूर्व कांग्रेस की सरकारों ने उस नक्सलवाद को आगे बढ़ाया है। हमारे मुख्य मंत्री डा. रमन सिंह वहां विकास का काम कर रहे हैं, अच्छा काम कर रहे हैं। सलवा जुड़म कोई सरकार का चलाया हुआ कार्यक्रम नहीं है, इस कार्यक्रम को आदिवासियों ने स्वयं चलाया है और इनके नेता प्रतिपक्ष श्री महेन्द्र शर्मा उसमें समर्थन कर रहे हैं।...(व्यवधान) एक महिला को बोलने दीजिए।...(व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, ये एक महिला को बोलने नहीं देते।...(व्यवधान)

मैं जिस क्षेत्र से आती हूं, वहां भी नक्सलवाद ने पैर पसारें हुए हैं। सलवा जुड़म, जिसे जोगी जी ने बंद करने की बात की है, उसे सरकार ने शुरू नहीं किया है, वहां के आदिवासी भाई-बहनों ने शान्ति स्थापना के लिए स्वयं इकट्ठे होकर किया है। सलवा मतलब शान्ति और जुड़म मतलब जुड़कर, हम शान्ति स्थापना करेंगे।

गृह मंत्री जी सामने विराजमान हैं। मैं फिर कह रही हूं कि यह छत्तीसगढ़ की समस्या नहीं है, यह राष्ट्रीय समस्या है।...(व्यवधान) आंध्र की सीमाएं हैं, उड़ीसा की सीमाएं हैं, झारखंड की सीमाएं हैं। सबसे मिलकर एक राष्ट्रीय नीति बनाइए। जब आप रायपुर आए थे, हम सांसदों से मिले थे, तब मैंने ही कहा था कि इसे राष्ट्रीय समस्या मानिए और एक टास्क फोर्स बनाइए। मीलों-मील जंगल का इलाका है जिसमें कच्ची सड़कें हैं, माइन्स बिछी हुई हैं। वहां मिलिट्री भेजिए ताकि वह माइन्स की जांच करके उसे निकाले। आपने एक हेलीकॉप्टर दे दिया, एक नागा बटालियन दे दी और सीआरपीएफ दे दी। इससे कुछ नहीं होने वाला है। अगर नक्सलवादियों को छत्तीसगढ़ से भगाते हैं तो वे आंध्र चले जाते हैं, आंध्र से भगाते हैं तो वे उड़ीसा भाग जाते हैं, उड़ीसा से भगाते हैं तो वे फिर छत्तीसगढ़ में आ जाते हैं। इसे राष्ट्रीय समस्या मानिए और कांग्रेस के लोग इसे राजनीति के चश्मे से नहीं देखें।

भारतीय जनता पार्टी के मुख्य मंत्री डा. रमन सिंह जितना अच्छा काम कर रहे हैं, विकास के नए आयाम गढ़ रहे हैं, उतना पहले के मुख्य मंत्रियों ने कभी नहीं किया। यह देश की समस्या है। गृह मंत्री जी, आप इससे छुटकारा दिलाने के लिए केन्द्र से सहयोग कीजिए। यह घटना निंदनीय है, भयावह है, हम इसकी निन्दा करते हैं और जिन नक्सलवादियों ने हमारे भाई-बंधुओं को मारा है, हम उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

भद्राचलम अस्पताल में 40 नक्सली भर्ती हैं। हम उनकी सेवा के लिए भी वहां जाने को तैयार हैं।...

(व्यवधान)

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा (धंधुका) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं भी इनके साथ एसोसिएट करता हूं।...(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, what happened yesterday in Chattisgarh was not an isolated incident. Such incidents have been occurring in a number of States for the last several years. We discussed this problem in the last Session in this very House.

Hon. Home Minister also replied to the debate when we had the discussion in this House. What is required is not only the problem of one State, several States are involved. Even in some parts of the three districts of our State, West Bengal, these activities are going on. We are tackling this situation both at administratively and at the political level. Though this problem is not so much in the State of West Bengal but still we are facing some problem. What is needed is the coordinated approach and the assistance from the Central Government. We should consider this problem as a national problem. We will have to tackle this problem collectively. This corridor is starting from Nepal. We welcome the Communist Party of Maoists of Nepal. Now, they are coming into the mainstream. They are demanding a multi-party democracy in Nepal. Now, there is a change not only in the approach but also in the attitude. But these activities are taking place in a number of States. So, we will have to seriously think over it and in a concerted way and in a coordinated manner, we will have to collectively erase this menace in this country. ... (*Interruptions*)

SHRI KINJARAPU YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): This is a very important issue. ... (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I will take it up later.

... (*Interruptions*)

श्री मोहन सिंह उपाध्यक्ष महोदय, इस हृदय विदारक घटना की पूरे सदन की ओर से एक स्वर से निंदा की जानी चाहिए। यह हम सबके लिए बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बात है। ... (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, आप सब पार्टीज के लोगों को बोलने का मौका दें। आपने पहले कहा था ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : जिन लोगों ने नोटिस दिया है, मैं उन सबको बोलने का मौका दे रहा हूँ।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : यह क्या बात है ? आप सब पार्टियों के लोगों को बुलवाइये। ...(व्यवधान)

श्री मोहन सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, इस घटना की हम सबको मिलकर निंदा करनी चाहिए। इस सदन की ओर से एक अपील सरकार से की जानी चाहिए कि जो लोग ...(व्यवधान)

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, आप इस इश्यू पर डिसकशन करा लीजिए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मेरे पास काफी लोगों के नोटिसेज हैं। अब इन सब लोगों को बुलाना मेरे लिए मुश्किल होगा।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : आप हर पार्टी के लीडर को बोलने का मौका दीजिए। ...(व्यवधान) आप इस पर डिबेट करा लीजिए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप पहले मेरी पूरी बात सुन लीजिए कि मैं क्या कह रहा हूँ।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम आपकी बात ही सुनते रहें और आप हमारी बात न सुनें। ...(व्यवधान) क्या हम यहां सुनने के लिए बैठे हैं ? हम सुनाने के लिए भी बैठे हैं। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मैं आपकी बात सुनूंगा लेकिन पहले आप मेरी बात सुनिये। मुझे इस इश्यू पर डिसकशन कराने में कोई एतराज नहीं है। आप सब लोग डिसकशन कराने के लिए नोटिस दे दीजिए।

...(व्यवधान)

श्री मोहन सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा हूँ कि सदन की ओर से ऐसी घटना पर हम सबको मिलकर निंदा करनी चाहिए। यह बात बिल्कुल सही है कि यह राष्ट्रीय प्रश्न है। ...(व्यवधान) इस राष्ट्रीय प्रश्न के समाधान

के लिए सभी दलों को मिल जुलकर प्रयास करना चाहिए। ... (व्यवधान)

एक मुख्य मंत्री के त्याग-पत्र देने और गृह मंत्री के इस्तीफा देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। जो आदिवासी मारे गये हैं, भारत सरकार को उनके परिवार वालों को कम्पेनसेशन देना चाहिए। जो लोग अस्पताल में हैं, उनके लिए दवा का इंतजाम करना चाहिए। ... (व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय** : आप सब नोटिस दे देंगे तो इस इश्यू पर डिसकशन हो जायेगी।

... (व्यवधान)

**श्री मोहन सिंह** : भारत सरकार अपनी एक टीम भेजकर उन सभी आदिवासी लोगों के लिए प्रॉपर सुरक्षा का इंतजाम करें। मैं चाहूंगा कि इस महत्वपूर्ण प्रश्न पर गृह मंत्री जी सदन में वक्तव्य दें जिससे सदन भी अवगत हो सके कि पूरी स्थिति क्या है और भारत सरकार आज इस दिशा में क्या कदम बढ़ाने जा रही है ?

**उपाध्यक्ष महोदय** : आप लोग नोटिस दे दीजिए तो इस इश्यू पर डिसकशन हो जायेगी।

... (व्यवधान)

**श्री रामजीलाल सुमन** : उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर गृह मंत्री जी बैठे हुए हैं। वे इस पर वक्तव्य दें। ... (व्यवधान)

**श्री राम कृपाल यादव (पटना)** : उपाध्यक्ष महोदय, जब आप सभी पार्टीज के लोगों को बोलने का टाइम दे रहे हैं तो हमें क्यों नहीं बोलने दे रहे ? ... (व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय** : आप इस इश्यू पर डिसकशन कराने के लिए नोटिस दे दें।

... (व्यवधान)

**SHRI BASU DEB ACHARIA** : The hon. Home minister should respond. ...  
(Interruptions)

**श्री रामजीलाल सुमन** : उपाध्यक्ष महोदय, गृह मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं। ... (व्यवधान)

**श्री राम कृपाल यादव** : उपाध्यक्ष महोदय, आप हमारी पार्टी का एतराज भी दर्ज कराइये। ... (व्यवधान)

**श्री प्रिय रंजन दासमुंशी** : उपाध्यक्ष महोदय, आप श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव जी को भी इस इश्यू पर बोलने का मौका दे दीजिए। ... (व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : हमारी पार्टी की तरफ से एक भी सदस्य नहीं बोले हैं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : देवेन्द्र प्रसाद यादव जी, आपका नोटिस तो नहीं आया है।

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : उपाध्यक्ष जी, मैंने नोटिस दिया है।

उपाध्यक्ष महोदय : मेरे पास कोई नोटिस नहीं है।

श्री राम कृपाल यादव : उपाध्यक्ष जी, हमने भी नोटिस दिया है।

उपाध्यक्ष महोदय : आपका नोटिस भी नहीं है। मेरे पास नहीं आया है।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अभी-अभी आपने चिट दी है। आपका नोटिस अब आ रहा है। तो मैं क्या अभी डिसाइड कर लूँ ?

...(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : सर, हमारा इतना महत्वपूर्ण मसला है।

श्री हरिन पाठक : नोटिस दस बजे देना पड़ता है।...(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : प्रभुनाथ सिंह जी, आप सीनियर हैं।...(व्यवधान) आप बैठ जाइए। हम आपकी कृपा पर नहीं है। आप सुझाव मत दीजिए। आप बैठिए।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ram Kripal Yadav ji, you first go to your seat.

... *(Interruptions)*

उपाध्यक्ष महोदय : आप सब अपनी-अपनी सीट पर जाइए। प्रभुनाथ सिंह जी, आप देवेन्द्र जी के बाद बोल लेना।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अगर आप इन्हें बिना नोटिस के बुलवाइएगा तो आपको सब पार्टी को मौका देना होगा।...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : हमारा नोटिस है। हमने नोटिस दिया है।...(व्यवधान) आप कैसी बातें करते हैं ? ...  
(व्यवधान)

SHRI HARIN PATHAK : They should send the notice before 10.00 a.m. ...  
*(Interruptions)* I am also a senior Member.

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : उपाध्यक्ष महोदय, सब पार्टीज को बोलने का मौका दीजिए।...(व्यवधान)

श्री काशीराम राणा (सूरत) : उपाध्यक्ष जी, आप रूल के मुताबिक चलिए। जिन्होंने दस बजे से पहले नोटिस दिया है, उन्हें प्रायोरिटी मिलनी चाहिए।...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : चेयर से हमारा नाम पुकारा गया है।...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, आपने हमारा नाम लिया तो हम उस मसले पर बोलने के लिए खड़े हुए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मैंने तो आपको देवीलाल जी वाले मसले पर बुलाया था लेकिन आपने पता नहीं मसले को ही खड़ा होकर उलझा दिया। देवेन्द्र प्रसाद यादव जी को दो मिनट बोलने दीजिए।

श्री प्रभुनाथ सिंह : उपाध्यक्ष जी, हमने देवीलाल जी के सवाल पर नोटिस दिया है लेकिन अगर आप बिना नोटिस के अगर किसी और को बुलाएंगे तो हर दल के लीडर को आपको बुलाना पड़ेगा। हम देवीलाल जी वाले मसले पर बोलने के लिए खड़े हुए हैं लेकिन फिर हम इस पर भी बोलेंगे।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : देवेन्द्र जी के बाद आप बोल लेना। इनका नोटिस तो मेरे पास है।

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : प्रभुनाथ सिंह जी, आप हमारे बाद बोल लेना। ...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अगर आप बिना नोटिस के किसी को बुलाएंगे...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : हमने नोटिस दिया है। आप क्या बात कर रहे हैं ?...(व्यवधान) हमने नोटिस दिया है।  
चेयर से हमारा नाम पुकारा गया है।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet at 12.45 p.m.

**12.40 hrs.**

*The Lok Sabha then adjourned till forty-five  
minutes past Twelve of the Clock.*

-----

**12.48 hrs.**

*The Lok Sabha re-assembled at forty-eight minutes  
past Twelve of the Clock.*

(Mr. Deputy-Speaker *in the Chair*)



# (i) Re: Situation arising out of killing of a number of people

## by the naxalites in dantewara, chhattisgarh – contd.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, Shri Devendra Prasad Yadav. Kindly finish your submission within two minutes.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, छत्तीसगढ़ की घटना अत्यंत दुखद है। पूरे सदन द्वारा ऐसी घटना की जितनी भर्त्सना हो, वह कम है। नक्सलवाद आज राष्ट्रीय समस्या बन गई है। इसलिए यह केवल छत्तीसगढ़ की घटना नहीं है कि वहां नक्सलवादियों द्वारा 100 निहत्थे आदिवासी मारे गए और दर्जनों बंधक बना लिए गए। नक्सलवाद आंध्र प्रदेश, झारखंड, बिहार, थोड़ा-बहुत पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में काफी प्रभावी हो गया है। आंध्र प्रदेश में नक्सलवाद की समस्या काफी बड़ी है। बिहार में भी नक्सलवादियों के हमले हो रहे हैं। नेपाल में जो इनकी गतिविधियां होती हैं, उससे पूरा उत्तरी भारत इससे आक्रांत हो गया है और यह देश के लिए एक राष्ट्रीय समस्या बन गई है। इसलिए प्रभावित राज्यों को समन्वित प्रयास करना चाहिए। चाहे राज्य सरकार हो या केन्द्र सरकार हो, एक जाइंट ऑपरेशन इसके खिलाफ होना चाहिए और इस समस्या के मूल कारण को ढूंढना चाहिए। मैंने इसी सदन में पहले भी बोलते हुए कहा था कि समाज में जो आर्थिक असमानता है, वह काफी बढ़ रही है इसलिए इस प्रकार की गतिविधियां, हिंसक घटनाएं हो रही हैं। चाहे वह सलवा-जुड़म की घटना हो या अन्य कोई घटना हो। जो लोग स्वयं को पीछे करके, पुलिस को पीछे करके जनता को आगे करने की बात करते हैं, उन पर गम्भीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

मैं समझता हूँ कि इसमें राज्य सरकार की विफलता साफ झलकती है। जब यह मालूम था कि नक्सली लोग निहत्थे लोगों पर घात लगाए हुए हैं तो राज्य सरकार द्वारा उचित कार्रवाई क्यों नहीं की गयी।... (व्यवधान) कहा जा रहा है कि राज्य सरकार को सुरक्षा के लिए हेलीकोप्टर और सीआरपीएफ के जवान दिये गये, वे पर्याप्त नहीं हैं। वहां के सांसद महोदय ने कहा है कि जो भी अहतियात बरतने की कार्रवाई होती है वह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है क्योंकि संविधान के तहत राज्य के नागरिकों को और जो केन्द्र के नागरिक वहां हैं उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य सरकार और केन्द्र सरकार दोनों की बनती है। अगर इस तरह की घटनाएं वहां होती रहें तो राज्य सरकार के ऊपर केन्द्र सरकार आर्टिकल 356 या 355 लगाकर ... (व्यवधान) यह कानून व्यवस्था का मामला है। ... (व्यवधान) ... \*

उपाध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये। अब आपकी बात रिकार्ड पर नहीं जा रही है।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : उपाध्यक्ष जी, आदिवासियों की हत्या को लेकर इस तरह की राजनीति करना उचित नहीं है। ... (व्यवधान)

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद) : आंध्र प्रदेश में तो नक्सलवादियों द्वारा रोज हत्याएं हो रही हैं, उन पर तो आप ऐसा नहीं करते... (व्यवधान) Everyday people are killed in Andhra Pradesh. What are you doing about it? You are supporting the Government there; you withdraw your support. Please do not play politics.... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing should be recorded.

(Interruptions) ... \*

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : माननीय अध्यक्ष जी, शुरू में तो माननीय देवेन्द्र जी ने बहुत अच्छी बात कही कि नक्सलवाद की समस्या चाहे आंध्र प्रदेश में हो, पश्चिमी बंगाल में हो, उड़ीसा में हो या छत्तीसगढ़ में हो, वह आंतरिक सुरक्षा के साथ जुड़ी हुई समस्या है और इस समस्या को पार्टी से ऊपर उठकर, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर पूरे देश को एक होकर सोचना चाहिए - यह बात तो बिल्कुल सही है। लेकिन जब माननीय देवेन्द्र जी ने उसमें राजनीति लाने का काम किया, उससे उनकी मंशा साफ हो गयी कि उनकी मंशा साफ नहीं है, राजनीति से प्रेरित है। इनकी मंशा राष्ट्रीय समस्या से जुझने में कम, राजनीति करने में ज्यादा है।

उपाध्यक्ष जी, छत्तीसगढ़ में जो घटना हुई है, हम सभी को उसकी निंदा करनी चाहिए और पूरे सदन को एकमत होकर उस समस्या के निदान का रास्ता ढूंढना चाहिए। माननीय गृहमंत्री जी यहां बैठे हैं। बिहार के कुछ अखबारों में छपा है और उनमें माननीय प्रभुनाथ सिंह जी और रघुनाथ झा साहब का नाम आया है। कुछ लोग जो गिरफ्तार हुए हैं उन लोगों ने कहा है कि नक्सलियों के निशाने पर ये लोग हैं, इसलिए माननीय गृहमंत्री जी को उस बारे में भी गंभीरता से सोचना चाहिए और इस सदन को सभी प्रकार के तथ्यों से पूर्णतः अवगत कराना चाहिए।

---

\* Not Recorded.

SHRI PRASANNA ACHARYA (SAMBALPUR): Mr. Deputy-Speaker, Sir, what has happened in Chhatisgarh is the most unfortunate incident and it is deplorable. The whole country is shocked. This is not a stray incident and this is not an incident which has occurred in Chhatisgarh only. This is a national problem.

My own State, Orissa has already been affected. Out of 30 districts in Orissa, already 10 districts are affected, which are in the southern western parts. On the southern part, most of the so-called Maoists are penetrating from Andhra Pradesh and on the western part, some of them are coming from Chhatisgarh.

On this, I do not agree with the Government of India and in particular with the hon. Home Minister when he stated a few months back that this is a State problem. This is not at all a State problem; this is a national problem. I am surprised to see that the Government of India is trying to shift the responsibility on to the States.

Take for example, Orissa State. Being a poor State with poor infrastructure -in police administration and poor financial position – how could it and Chattisgarh also without the help of Central Government, confront with this acute and terrific situation?

Secondly, let us not take it as a law and order problem. This is a social problem and it is the utmost responsibility of the Union Government to tackle it in that context. Without shifting the responsibility on to the State Governments the Central Government should come forward to tackle the situation.

What has happened in Chattisgarh? Actually, the programme, to create awareness against the so-called Naxalite and Maoist activities, was initiated by the Government with the support of the Opposition. Who was the person against this movement has also to be detected and the Union Home Minister has to give reply on this.

In the name of Maoist activities, what is happening in my State? Naktideol and Rairakhol blocks in my own constituency Sambalpur are affected. Deogarh, the constituency of my friend Shri Pradhan is also affected. In the name of extremism people are extracting money not from Crorepatis or Lakhpatis but from the poor farmers. In the name of naxalism, in the name of Maoist activities '*gunda raj*' is going on. So, my appeal to the Union Government is, let it own the responsibility, let it not shift the responsibility to the State Governments. It is a national problem and it should be tackled with national perspective.

उपाध्यक्ष महोदय : आप कुछ कहेंगे।

...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Hon. Home Minister.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: No, please sit down. The hon. Minister is already on his legs.

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री प्रिय रंजन दासमुंशी) : एक मिनट इनकी बात भी सुन लीजिए। झारखंड में भी कट है।

श्री सुनील कुमार महतो (जमशेदपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, झारखंड आज शत-प्रतिशत उग्रवाद गिरफ्त में है। अलग राज्य बनने से पहले मात्र एक जिले में कभी उग्रवाद का नाम सुनते थे। राज्य बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी और एनडीए की सरकार बनी और सरकार बनने के बाद आज 19 जिले उग्रवाद से प्रभावित हैं। आज इस जिले में सिर्फ उग्रवाद की स्थिति है, कम से कम ढाई-तीन हजार लोग मारे गए हैं और आए-दिन घटनाएं घट रही हैं। आज पुलिस की जो स्थिति है, आज से दो दिन पहले राज्य के गृह मंत्री पुलिस स्टेशन के दौरे पर थे और ढाई हजार फोर्स लेकर उन्होंने उस क्षेत्र की मीटिंग की।

श्री मो. ताहिर (सुल्तानपुर) : इलाहाबाद हाई कोर्ट में ... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down. I have not given you time.

... (Interruptions)

श्री सुनील कुमार महतो : आज उस क्षेत्र में एक तरह से देखा जाए, उग्रवाद पैरेलल सरकार चला रहा है। सरकार फेल्योर है और गिरडीह, डुमरिया, जगन्नाथपुर में कुल मिलाकर ढाई सौ से तीन हजार लोग मारे गए हैं, यह सबसे महत्वपूर्ण बात है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: This is all repetition. Please sit down. Now, the hon. Home Minister.

श्री सुनील कुमार महतो : बीजेपी और एनडीए की सरकार चल रही है। पिछले दिनों में यह ... (व्यवधान) और गृह मंत्री जी ... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions) ... \*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing is being recorded.

*(Interruptions) ... \**

**13.00 hrs.**

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down. Nothing is going to be recorded.

*(Interruptions) ... \**

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): Sir, we are very sorry that valuable lives have been put an end in Chhattisgarh in the incident that has occurred there. We all would like to condole the deaths of those persons. The facts are like this.

As per the initial report of the Government of Chhattisgarh, on 28.2.2006 about 200 villagers were returning in four vehicles to Konta in Dantewada district after participating in public rallies held at different places in support of the anti-naxalite movement locally known as 'Salva Judum'. Near Darbhaguda village, these vehicles were stopped by the naxalites and one of the vehicles in the front was blown up by a landmine and the other three vehicles were set on fire by the naxalites. In this inhuman and senseless act of violence, 26 innocent people have been killed and 30 others injured, some of them seriously. CRPF men located at about six kilometres away from the place of incident rushed to the site and helped evacuate the injured persons, all of who were airlifted for immediate medical treatment. An *ex gratia* payment of Rs.2 lakh has been announced for the next-of-

---

\* Not Recorded.

kin of those killed and Rs.30,000 for those injured. This is the kind of help which has been given to them.

A demand was made by the hon. Members that the victims should be given compensation and help. That has been done and if something more is required, it can be done. This is done by the State Government. We would like to see as to how it can be done by us also.

There was an information given that something of this nature was likely to happen at this place. But sometimes the information is not exactly on the place and the time and something which has to be done by the State Government is not done and incidents do happen. We have asked the State Government to look into this matter. We have asked them when the information was given, to which officer the information was given and why they could not act on this information.

There was a demand made by some hon. Members that somebody from here should go to Chhattisgarh to discuss this matter. We would like to send our officers over there and discuss with them. I had discussed this matter with the Chief Minister on telephone and the Home Secretary has discussed this matter with the Chief Secretary of the State or some other officer and DIG also. We would like to go into the details.

While discussing this issue, some Members made statements which looked as if we were apportioning the blame. Somebody is saying why the Union Government is not acting and somebody is saying why the State Government is not acting and things like that. It is not a question of apportioning the blame as such. We shall have to take care to see that the innocent lives are not lost. If we are in the game of blaming each other, probably results will not be good. If the hand is injured, you cannot apply the medicine to the leg and you cannot get the hand cured.

This is not possible. That is not the intention of the Government of India. Even though this has happened, yet not a single statement on behalf of the Government has been made blaming anybody. We are trying to understand the situation. We are trying to fix the responsibility, if responsibility has to be fixed. We are trying to help the victims. We are trying to see as to how some more steps, if necessary, at the State level as well as at the Union level jointly, or separately, or in conjunction with the adjoining States can be taken. That is the approach we have adopted.

Sir, for the information of the hon. Members I would like to say that 26 battalions have been given to the States which are affected by Naxalite movement. Twenty-six battalions mean 26,000 men and officers. It is equal to an Army of a small State. This kind of a police force has been kept at the disposal of the State Governments. One cannot expect the Union Government to take these Forces there and then sit over there and keep giving orders and deploying Forces over there. If that is done, then that would

be interference in the jurisdiction of the State Governments. It is not expected and we are not doing it. But we have kept 26 battalions. For God sake, please understand as to what is meant by 26 battalions. It means 26,000 men and officers. Not only that, we have said that if they need air support, we will give. We will not give air support to attack the naxalites, but we will give air support to supply medicines, supply foodgrains required by the police for the purpose of evacuating the injured persons or for any other purpose except for attacking the naxalites.

We had discussed this issue with the police officers of different States and tried to understand as to what is happening. Initially they were using axes and swords. Then they started using pistols and guns. Then they started using AK-47 rifles and now they have started using hand grenades and landmines.

SHRI KINJARAPU YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): They are also using rocket launchers.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Yes. They are using rocket launchers also. One of the vehicles was blasted off with the help of a landmine and so what is to be done in order to overcome this difficulty was discussed by us. At the national level we took a decision, this Government took a decision that they should be given armoured vehicles. We have obtained armoured vehicles and we have given these vehicles to the States of Andhra Pradesh, Chattisgarh and Jharkhand only in order to see that the policemen who go to take action against these people are well protected. We have given orders to the Defence Ordnance Factories to produce armoured vehicles and nearly 400 armoured vehicles will be given to the police to do that.

We have asked them to develop intelligence. In order to see that there is co-operation and co-ordination between different States, the Chief Ministers of all the States were invited here and the hon. Prime Minister spoke to them, I spoke to them and we all discussed together. At the regional level we had discussions with the Chief Ministers of the States. Now we have been sending our intelligence officers and other officers also to discuss this matter with the DGs and State police officials. But one cannot expect the Union Government to sit there and give orders. If we do that it would be interfering with the affairs of the State and it would not be accepted by the Members here. Those who are standing up here and saying as to why the Union Government is not doing it, if we start doing something, like that then those Members themselves will

get up and say as to how is it that we are doing it. The Constitution does not allow us to do that. It is here that we shall have to strike a balance.

It is not the question of blaming this Government or that Government. That Government may belong to a particular political party and this Government may belong to a particular political party but we have never taken that stand. The Governments in the States are fully satisfied with what we are doing... (*Interruptions*) It is only those who are not well informed have some doubts. But the Governments in the States do not have any doubt about the kind of co-operation that exists between the Union Government and the State Governments. One thing which we are asking the State Governments to do is to prepare the plan as to how they would like to deal with this menace, discuss this plan with the adjoining States and the Union Government also. Then the State Governments as well as the Union Government can decide as to what more has to be done in order to deal with this matter. This is the kind of cooperation we are requiring now.

I cannot stand up and say that it is not my responsibility and it is the responsibility of the State Governments. I am not taking that stand. And when I am not taking that stand, you are saying that I am taking that stand. I am speaking on behalf of the Union Government of India. I am not blaming anybody. But those who are blaming the Union Government should also look into their hearts whether they are doing it correctly or not, whether it is allowed constitutionally or not. That has to be looked into by them. But I am not blaming anybody. On occasions like these, we should not take pleasure in saying that you did it, you are responsible for it and I am not. I am not taking that stand. We are all responsible and we are sorry for what has happened. We have done so much. If anything more is to be done, you can give your suggestions, we will accept them. I have discussed this matter. I am willing to discuss this matter with the hon. Members at any place they want to and if a discussion is taking place, we will join you.... (*Interruptions*)

SHRI KHARABELA SWAIN (BALASORE): Sir, I have a clarification to ask.... (*Interruptions*) Are you going to provide armoured vehicles to the police?... (*Interruptions*)

(ii) SHRI SHIVRAJ V. PATIL: You are right. Supposing armoured vehicles are given and if a very big charge is used, then it happens. Even the tanks are blown



up. That does not mean that we should not help the police with armoured vehicles.  
... (*Interruptions*)